प्रीलिम्स फैक्ट्स, 9 मार्च 2019

पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुरातत्त्व संस्थान
Pandit Deendayal Upadhyaya Archeology Institute

9 मार्च, 2019 को प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुरातत्त्व संस्थान का उद्घाटन किया। इस अवसर पर संस्थान के परिसर में स्थापित पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का भी अनावरण किया गया।

- 28 अक्तूबर, 2016 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 100वीं जयंती के अवसर पर संस्थान भवन की आधारशिला केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा रखी गई थी।
- पुरातत्त्व संस्थान (Archaeological Institute) संस्कृति मंत्रालय के तहत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (Archaeological Survey of India-ASI) का अकादमिक विंग है।
- संस्थान में छात्रों को सहायक, उत्साहवर्द्धक और चुनौतीपूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाता है, जिससे वे पुरातत्त्व के क्षेत्र में अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन कर पाते हैं। संस्थान पुरातत्त्व के विभिन्न क्षेत्रों में व्यावसायिक कार्यशालाओं का आयोजन भी करता है।
- इस संस्थान का सबसे महत्त्वपूर्ण उद्देश्य छात्रों को पुरातत्त्व के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना है।

महिलाओं को बेहतर आजीविका प्रदान करने का प्रयास

हाल ही में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (Ministry of Women and Child Development) और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (Ministry of Skill Development and Entrepreneurship) ने महिलाओं की आजीविका में सुधार लाने और कौशल विकास के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक समझौता/करार किया है।

- इस करार का क्रियान्वयन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय महिला कोष (National Women Fund) और राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद (National Skill Development Council) के माध्यम से किया जाएगा।
- इस पहल के माध्यम से महिलाओं में ऐसे कौशल का विकास करने में मदद प्राप्त होगी, जो उन्हें तुरंत रोज़गार पाने/पैसा कमाने में मदद करेगा, जिससे आगे चलकर उनका समग्र विकास सुनिश्चित हो सकेगा।
- कौशल विकास मंत्रालय महिलाओं को कौशल प्रदान करने के लिये महिला और बाल विकास मंत्रालय के साथ मिलकर काम करने के लिये समर्पित है इससे महिलाओं के जीवन में बड़े बदलाव के साथ ही देश के विकास में भी मदद मिलेगी।
- दोनों मंत्रालय महिलाओं को तत्काल लाभ पहुँचाने के लिये उपयुक्त मॉड्यूल तैयार करने हेतु मिलकर काम करेंगे।

परिवहन एवं विपणन सहायता योजना
Transportation and Marketing Assistence Scheme

हाल ही में सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिये परिवहन एवं विपणन सहायता योजना (Transportation and Marketing Assistence - TMA) की शुरुआत की।

- इस योजना के अंतर्गत सरकार का उद्देश्य यूरोप और उत्तरी अमेरिका के देशों में कृषि निर्यात को बढ़ावा देना है जिसके तहत कृषि उत्पादों के परिवहन और विपणन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
- TMA के तहत सरकार कृषि उत्पादों की ढुलाई के खर्च का कुछ हिस्सा वहन करेगी एवं कृषि उपज के विपणन में सहायता करेगी।
- यह योजना समुद्र और वायु दोनों माध्यमों द्वारा परिवहन पर लागू होगी।

ई- धरती एप
e- Dharti App

हाल ही में आवास और शहरी मामलों के मंत्री ने e-Dharti एप लॉन्च किया

- इस एप में भू-संपत्ति से जुड़े सभी तीन कार्यों- रूपांतरण, प्रतिस्थापन और उत्परिवर्तन (Conversion, Substitution and Mutation) को ऑनलाइन कर दिया गया है।
- इसके बाद लोग भूमि और विकास कार्यालय (L&DO) की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं और उन्हें पुन: सबमिशन के लिये L&DO के

कार्यालय में जाने की ज़रुरत नहीं है।
- भूमि और विकास कार्यालय (L&DO) में भुगतान प्रणाली को भी डिजिटिल कर दिया गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-9-march-2019